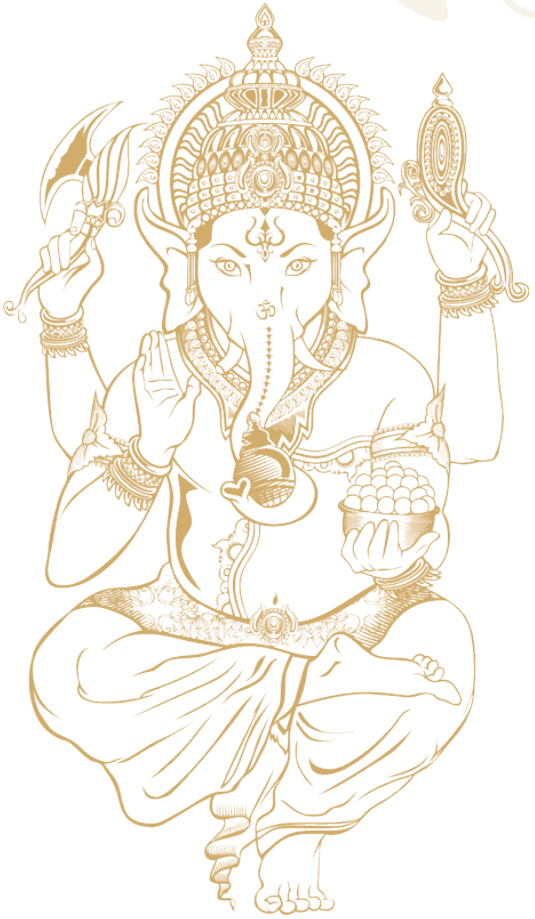

Khushaboo

25 Sep 2004

02:00 AM

Sahara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24-25/09/2004**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:00:00 घंटे**
इष्ट	49:03:15 घटी
स्थान	**Sahara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:13:00 उत्तर
रेखांश	74:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:26:48 घंटे
वेलान्तर	00:08:01 घंटे
साम्पातिक काल	01:42:50 घंटे
सूर्योदय	06:22:42 घंटे
सूर्यास्त	18:27:12 घंटे
दिनमान	12:04:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:12:04 कन्या
लग्न के अंश	09:05:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोमनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:05:10	312:18:30	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	08:12:04	00:58:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मक	20:30:47	14:12:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	05:05:28	00:38:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	29:13:45	01:50:01	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु		अ	कन्या	06:01:02	00:12:58	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	25:54:14	01:08:06	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	01:39:31	00:04:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:33:43	00:03:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:33:43	00:03:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:50:01	00:02:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:55:18	00:00:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:47:34	00:00:49	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	03:45:55	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:14

लग्न-चलित

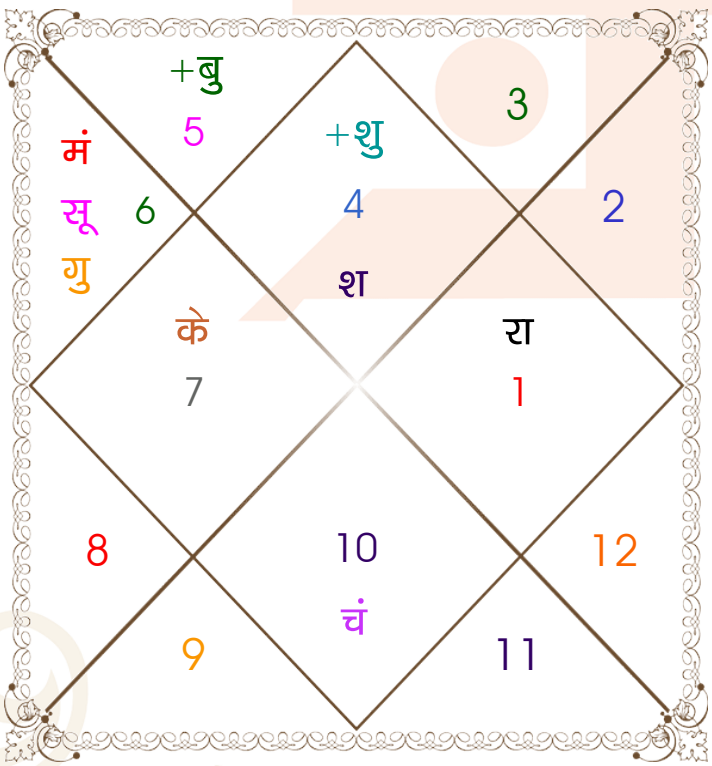

चन्द्र कुंडली

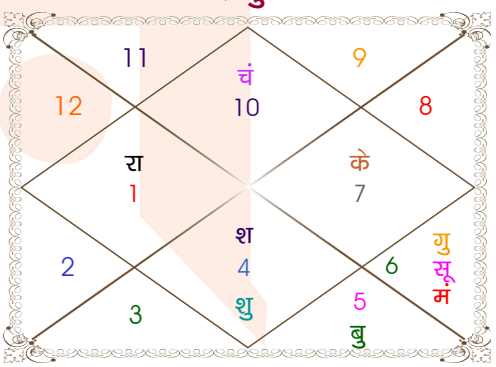

नवमांश कुंडली

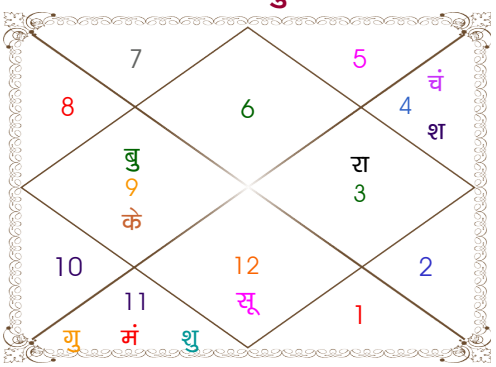

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 1 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/09/2004		06/11/2006		06/11/2013		06/11/2031		06/11/2047	
06/11/2006		06/11/2013		06/11/2031		06/11/2047		06/11/2066	
	00/00/0000	मंगल	04/04/2007	राहु	19/07/2016	गुरु	25/12/2033	शनि	09/11/2050
	00/00/0000	राहु	22/04/2008	गुरु	13/12/2018	शनि	07/07/2036	बुध	19/07/2053
	00/00/0000	गुरु	29/03/2009	शनि	19/10/2021	बुध	13/10/2038	केतु	28/08/2054
	00/00/0000	शनि	08/05/2010	बुध	07/05/2024	केतु	19/09/2039	शुक्र	28/10/2057
	00/00/0000	बुध	05/05/2011	केतु	26/05/2025	शुक्र	20/05/2042	सूर्य	10/10/2058
	00/00/0000	केतु	01/10/2011	शुक्र	25/05/2028	सूर्य	08/03/2043	चंद्र	10/05/2060
	25/09/2004	शुक्र	30/11/2012	सूर्य	19/04/2029	चंद्र	07/07/2044	मंगल	19/06/2061
शुक्र	08/05/2006	सूर्य	07/04/2013	चंद्र	19/10/2030	मंगल	13/06/2045	राहु	25/04/2064
सूर्य	06/11/2006	चंद्र	06/11/2013	मंगल	06/11/2031	राहु	06/11/2047	गुरु	06/11/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/11/2066		06/11/2083		06/11/2090		07/11/2110		07/11/2116	
06/11/2083		06/11/2090		07/11/2110		07/11/2116		00/00/0000	
बुध	04/04/2069	केतु	04/04/2084	शुक्र	08/03/2094	सूर्य	25/02/2111	चंद्र	07/09/2117
केतु	01/04/2070	शुक्र	04/06/2085	सूर्य	08/03/2095	चंद्र	26/08/2111	मंगल	08/04/2118
शुक्र	30/01/2073	सूर्य	10/10/2085	चंद्र	06/11/2096	मंगल	01/01/2112	राहु	08/10/2119
सूर्य	06/12/2073	चंद्र	11/05/2086	मंगल	06/01/2098	राहु	25/11/2112	गुरु	06/02/2121
चंद्र	08/05/2075	मंगल	07/10/2086	राहु	07/01/2101	गुरु	13/09/2113	शनि	07/09/2122
मंगल	04/05/2076	राहु	25/10/2087	गुरु	08/09/2103	शनि	26/08/2114	बुध	07/02/2124
राहु	21/11/2078	गुरु	30/09/2088	शनि	07/11/2106	बुध	03/07/2115	केतु	07/09/2124
गुरु	26/02/2081	शनि	09/11/2089	बुध	07/09/2109	केतु	07/11/2115	शुक्र	26/09/2124
शनि	06/11/2083	बुध	06/11/2090	केतु	07/11/2110	शुक्र	07/11/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 1 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।